नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

आर्थिक सर्वेक्षण : सुधार और संभावनाओं की तस्वीर

गुरुवार को संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 केवल आंकड़ों का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक यात्रा का आत्मविश्वास से भरा बयान भी है. 1 फरवरी को आने वाले केंद्रीय बजट से ठीक पहले पेश किया गया यह सर्वेक्षण सरकार की प्राथमिकताओं, चुनौतियों और दीर्घकालिक दृष्टि को स्पष्ट करता है. वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस तरह स्थिरता और गति का संतुलन बनाए रखा है, वह इस सर्वेक्षण का केंद्रीय संदेश है.

सर्वेक्षण के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.3 से 7.5 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है. यह संकेत देता है कि वैश्विक मंदी, युद्ध और व्यापारिक तनावों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है. वहीं 2026-27 के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि दर यह भरोसा दिलाती है कि भारत की विकास गाथा केवल अस्थायी उछाल नहीं, बल्कि संरचनात्मक मजबूती पर आधारित है.

महंगाई के मोर्चे पर भी सर्वेक्षण राहत देता है. खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक दायरे में बनी हुई है. जीएसटी ढांचे में सुधार, आपूर्ति श्रृंखला के बेहतर प्रबंधन और सरकारी हस्तक्षेपों ने कीमतों को नियंत्रित रखने में अहम भूमिका निभाई है. यह संतुलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विकास की रफ्तार तभी टिकाऊ होती है जब आम नागरिक पर महंगाई का बोझ सीमित रहे.

हालांकि सर्वेक्षण चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं करता. वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, संरक्षणवादी नीतियां और कुछ देशों द्वारा टैरिफ बढ़ाने की प्रवृत्ति भारतीय निर्यात के लिए जोखिम पैदा कर सकती है. इसके साथ ही डॉलर के मुकाबले रुपये का करीब 92 के स्तर तक पहुंचना बाहरी झटकों के प्रति सतर्क रहने की चेतावनी देता है. सर्वेक्षण स्पष्ट करता है कि मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और विवेकपूर्ण मौद्रिक नीति ही ऐसे समय में सुरक्षा कवच बन सकते हैं. सेक्टर-वार प्रदर्शन की बात करें तो कृषि क्षेत्र ने सामान्य मानसून और ग्रामीण मांग में सुधार के चलते मजबूती दिखाई है. यह संकेत ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनर्जीवन का है. वहीं विनिर्माण और सेवा क्षेत्र विकास के मुख्य इंजन बने हुए हैं. निजी निवेश में तेजी के संकेत बताते हैं कि कारोबारी विश्वास लौट रहा है और भविष्य की संभावनाओं को लेकर उद्योग जगत आश्वस्त है. प्रधानमंत्री द्वारा उल्लेखित रिफॉर्म एक्सप्रेस की अवधारणा आर्थिक सर्वेक्षण में ठोस रूप में दिखाई देती है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत खर्च को भविष्य की विकास रणनीति का आधार माना गया है. यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि सरकार अल्पकालिक लोकलुभावन उपायों के बजाय दीर्घकालिक क्षमता निर्माण पर जोर दे रही है.

कुल मिलाकर, आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 भारत की अर्थव्यवस्था की एक संतुलित तस्वीर पेश करता है,जहां चुनौतियां हैं, लेकिन उनसे निपटने का आत्मविश्वास भी है. अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि 1 फरवरी का बजट इस सर्वेक्षण की भावना को कितनी मजबूती से जमीन पर उतार पाता है. यदि सुधारों की यह गति बनी रही, तो भारत न केवल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर भी ठोस कदम बढ़ाएगा.

सुशासन के जरिए विकास को गति

पंकज जोशी

कुशल शासन की दिशा में भारत की यात्रा अक्सर एक विशाल संघीय ढांचे के तहत कार्यान्वयन से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों को रेखांकित करती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2015 में स्थापित 'प्रगति' [सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इप्लीमेंटेशन)] नामक पहल, नौकरशाही की पेचीदगियों को दूर करने के एक शक्तिशाली तंत्र के रूप में कार्य करती है. एक ओर जहां यह विभिन्न राष्ट्रीय परियोजनाओं को गति प्रदान करती है, वहीं इसका प्रभाव शायद राज्य स्तर पर सबसे अधिक स्पष्ट होता है. आर्थिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण विशिष्ट क्षेत्रीय परियोजनाओं की सटीक निगरानी राज्य स्तर पर की जाती है. गुजरात में, 'प्रगति' के तहत की गई समीक्षाओं ने बुनियादी ढांचे, ऊर्जा तथा सामाजिक कल्याण से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं में आने वाली अड़चनों को व्यवस्थित रूप से दूर किया है और सहकारी संघवाद के एक मजबूत मॉडल को मूर्त रूप दिया है. 'प्रगति' ने न सिर्फ समीक्षा के एक मंच, बल्कि एक पूर्वानुमानित शासन के रूप में भी कार्य किया है. महीने की शुरुआत में अग्रिम रूप से एजेंडा का वितरण राज्य के संबंधित विभागों, जिला प्रशासन और कार्यान्वयन एजेंसियों की केन्द्रित भागीदारी को बढ़ावा देने में सहायक रहा. सक्रिय अनुवर्ती कार्रवाई के परिणामस्वरूप, 'प्रगति' की निर्धारित बैठकों से पहले ही कई समस्याओं का निराकरण हो गया. लिहाजा, ऐसे एजेंडा मदों को अंतिम समीक्षा से हटा दिया गया. यह उच्चस्तरीय हस्तक्षेप से पहले ही राज्य स्तर पर उनके समाधान को दर्शाता है.

बुनियादी ढांचे से परे-सामाजिक दायित्व

'प्रगति' का दायरा भौतिक बुनियादी ढांचे से कहीं आगे जाता है. यह पहल समाज कल्याण की प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करने और अंतिम छोर तक उनकी सुलभता सुनिश्चित करने में भी समान रूप से प्रभावी है. प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-अभीम)स्वास्थ्य संबंधी इस महत्वपूर्ण पहल की समयबद्ध और प्रभावी कवरेज सुनिश्चित करने हेतु निगरानी की गई. नागरिकों को मिलने वाले प्रमुख लाभ हैं- उन्नत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) के जरिए स्वास्थ्य सेवा तक बेहतर पहुंच; देखभाल की बेहतर गुणवत्ता; वित्तीय बोझ में कमी; आईटी-आधारित रोग निगरानी प्रणाली तथा प्रयोगशालाओं के नेटवर्क के विकास द्वारा महामारी से निपटने की बेहतर तैयारी एवं प्रतिक्रिया; व्यापक प्राथमिक देखभाल; और डिजिटल स्वास्थ्य एकीकरण. पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री)- स्कूली अवसंरचना के आधुनिकीकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस योजना की प्रगति की समीक्षा 'प्रगति' के जरिए की जाती है.

राज्य-आधारित तेजी के लिए एक डिजिटल समन्वय- 'प्रगति' की सफलता का मूल राज्य और केन्द्रीय प्रशासन के शीर्ष स्तरों को जवाबदेही-आधारित एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने की इसकी क्षमता में निहित है. हर महीने, यह इंटरफेस उन परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा को संभव बनाता है जो अंतर-विभागीय मतभेदों या भूमि अधिग्रहण संबंधी अड़चनों की वजह से रुक सकती हैं.

डीएमआईसी को सीधे प्रधानमंत्री की समीक्षा के अधीन रखकर, 'प्रगति' ने धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण, विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों और निजी हितधारकों से जुड़ी समस्याओं पर वास्तविक समय में चर्चा किया जाना सुनिश्चित किया. इस प्रक्रिया ने निर्णय लेने की कवायद को गति दी, नौकरशाही में व्याप्त लालफीताशाही को कम किया और सभी संबंधित पक्षों को स्पष्ट व समयबद्ध दिशा-निर्देश प्रदान किए, जिससे भारत के औद्योगिक भविष्य की बुनियाद मानी जाने वाली इस परियोजना को गति मिली. 'प्रगति' के तहत होने वाली समीक्षाओं ने धोलेरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे के बुनियादी ढांचे के समयबद्ध विकास को सुनिश्चित किया है. यह 109 किलोमीटर लंबी एक महत्वपूर्ण ग्रीनफील्ड परियोजना है, जिसे अहमदाबाद को धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र (एसआईआर) से जोड़ने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है. सेमीकंडक्टर निर्माण संयंत्र हेतु कुल 91,000 करोड़ रुपये के मुख्य परियोजना निवेश के साथ, यह इलाका भारत का सेमीकंडक्टर हब बनने के लिए तैयार है और यहां देश के पहले स्वदेशी चिप्स का उत्पादन होगा. इस राज्य की सीमाओं के भीतर संचालित होने वाली ऐसी उच्च-मूल्य वाली केन्द्रीय परियोजनाएं उस 'प्रगति' तंत्र का हिस्सा बनने की आदर्श हकदार हैं, जो राज्य के कार्यान्वयन और राष्ट्रीय दृष्टिकोण के बीच तालमेल सुनिश्चित करती हैं.

गुजरात की हरित ऊर्जा क्रांति को गति- गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी है और 'प्रगति' इसकी विशाल क्षमता को मूर्त रूप देने में अहम भूमिका निभा रही है. बड़े पैमाने की विविध सौर एवं पवन परियोजनाएं इस लक्ष्य को रेखांकित करती हैं. कुल 1200 मेगावाट क्षमता वाली खावड़ा सौर पीवी परियोजना (6284 करोड़ रुपये) और 1255 मेगावाट क्षमता वाली खावड़ा सौर पीवी परियोजना (7180 करोड़ रुपये) इस पहल की प्रमुख घटक हैं.

(लेखक आईएएस (सेवानिवृत्त), जीईआरसी के अध्यक्ष/गुजरात के पूर्व मुख्य सचिव हैं)

महाकौशल की डायरी

पुष्पा के सिंडीकेट की तरह काम कर रहा अनाज माफिया गिरोह

अविनाश दीक्षित

हिंदी सिनेमा की सुपरहिट हो चुकी पुष्पा के सिंडीकेट की तरह जबलपुर के अनाज माफिया भी गरीबों के राशन को डकारते नजर आ रहे हैं. दुकान विक्रेता, डीलर और ट्रांसपोर्टर का सिंडीकेट गरीबों को मिलने वाले अनाज में डाका डाल रहा है जिसके उजागर होने के बाद चर्चाएं आम हो गईं हैं कि सरकारी अनाज की कालाबाजारी करने का एक बार फिर से ट्रेंड बदल दिया गया है. पहले निजी अनाज गोदाम से कालाबाजारी का खेल चलता था तो प्रशासन ने वेयरहाउस की निगरानी मुस्तैद कर दी थी लेकिन अब अनाज की कालाबाजारी के लिए ट्रांसपोर्टर एवं

डीलर्स सांठगांठ कर सरकारी अनाज को व्यापारी के फड़ तक चोरी छिपे पहुंचा रहे हैं. ऐसे में प्रशासनिक स्तर की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं. जानकारों का कहना है कि इस बड़े घोटाले में जिम्मेदारों की चुप्पी भी कई सवाल खड़े कर रही है.

विदित हो कि राज्य खाद्य निगम (एसएफसी) के गोदाम से डीलर की दुकान तक वाहनों से अनाज भेजा जाता है जिसके बीच में ही सारा खेल हो रहा है. खबर सरेआम है कि जीपीएस सिस्टम के साथ गेहूं-चावल को वेयर हाउस से लेकर राशन दुकान तक पहुंचाने वाले ट्रांसपोर्टरों ने पूरा सिंडीकेट बनाकर रखा हुआ है. 5 से 25 टन अनाज लेकर संपूर्ण दस्तावेज के साथ वाहन को गंतव्य के लिए रवाना किया जाता है, लेकिन दुकान पहुंचने पहुंचने तक इसकी मात्रा कम हो जाती है. खबर है कि देहात क्षेत्रों में ट्रांसपोर्टर आधा घंटा में ट्रक में लोड 80 से 100 बोरी बदल देते हैं. टंच अनाज व्यापारी की गोदाम में पहुंच जाता है, और व्यापारी का घटिया अनाज राशन दुकान में पहुंचा दिया जाता है. फिर दुकान संचालक टंच चावल और घटिया को मिलाकर उपभोक्ता को तौल देता है.

नाम बड़े दर्शन छोटे की कहावत फिट बैठी...

नाम बड़े दर्शन छोटे... ये कहावत बीते कुछ दिनों से जबलपुर के बिल्डिंग परमिशन शाखा पर बिल्कुल सटीक बैठती नजर आ रही है. जिसकी मुख्य वजह शाखा के अपग्रेड पोर्टल ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान एप्रूवल सिस्टम पर कुछ ही कॉलोनियों का डेटा दर्ज करना, ऐसे में अब भवन निर्माण परमिशन लेने में लोगों को महीनों लग रहे हैं. आलम ये है कि बिल्डिंग अनुमति के लिए शहरवासियों को दफ्तरों के काफी चक्कर काटने पड़ रहे हैं. विदित हो कि बिल्डिंग परमिशन शाखा के पोर्टल पर दर्ज कॉलोनियों के आधार पर ही भवन निर्माण की परमिशन जारी की जाती है, लेकिन शहर में एक सैकड़ा से अधिक कॉलोनियां हैं. जबकि पोर्टल पर आधी ही दर्ज हैं. जानकारी के अनुसार मकान बनाने के लिए बिल्डिंग परमिशन लेने में लोगों को सहूलियत देने के लिए नगरीय प्रशासन विभाग की ओर से बिल्डिंग परमिशन के पोर्टल ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान एप्रूवल सिस्टम (एबीपास) को अपग्रेड किया था. विगत 1 जुलाई 2025 से पहले एबीपास-2 पर काम चल रहा था. वर्तमान में अपग्रेड वर्जन एबीपास-3 का उपयोग हो रहा है, लेकिन इस अपग्रेडेशन के बाद लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं.

सुर्खियों में सीईओ का बयान

जबलपुर स्मार्ट सिटी के सीईओ का बयान इन दिनों काफी सुर्खियों में बना हुआ है. बयान स्मार्ट सिटी कार्यालय में पदस्थ करीब 26 अधिकारी-कर्मचारियों से जुड़ा है. खबर है कि स्मार्ट सिटी में पिछले 2 साल से कोई काम नहीं है उसके बाद भी वहां के अधिकारी- कर्मचारियों को मुफ्त का वेतन मिल रहा है और इसी वेतन के नाम पर बीते 2 साल में करीब 3 करोड़ रुपए सरकारी खजाने से खाली किए गए हैं. मामले में सीईओ ने जो कहा उससे तो साफ था कि ये सरकारी खजाना अभी और खाली होता रहेगा क्योंकि शासन से अभी ऐसा कोई आदेश नहीं आया है कि स्मार्ट सिटी जबलपुर को खत्म किया जा सके और यहां के अधिकारी-कर्मचारियों को हटाया जा सके. जबकि फिलहाल अभी जबलपुर स्मार्ट सिटी के पास कोई प्रोजेक्ट काम करने के लिए भी नहीं है. सर्वविदित है कि स्मार्ट सिटी का कार्यकाल जून 2023 को ही समाप्त हो चुका है. विदित हो कि शहर को स्मार्ट बनाने के लिए स्मार्ट प्रोजेक्ट के तहत 2016 में निर्माण व विकास कार्य शुरू हुए थे लेकिन यहां पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित समय-सीमा में प्रोजेक्ट पूरा नहीं कर पाए. कई विकास कार्यों को एक्सटेंशन दिया गया फिर भी कई ऐसे प्रोजेक्ट हैं, जो अधूरे हैं. जैसे स्मार्ट रोड निर्माण, भूमिगत नाली निर्माण, भूमिगत बिजली लाइन डालना, 24 घंटे सात दिन पानी योजना के कार्य एक्सटेंशन दिए जाने के बाद किसी तरह हो पाए. आज भी कई जगह भूमिगत नाली, बिजली, पानी की पाइपलाइन बिछाने के कार्य व राइट टाउन स्टेडियम के दूसरे फेज के कार्य अधूरे हैं.

तीस जनवरी : हे राम, साकार गांधी, निराकार गांधी!

अनिल त्रिवेदी

बिड़ला भवन दिल्ली में तीस जनवरी 1948की शाम संध्याकालीन प्रार्थना पर निकले साकार गांधी अपने अंतिम शब्द 'हे राम' के साथ अनन्त निराकार में विलीन हो गए. इस जगत में जन्म, जीवन के साकार स्वरूप का प्रारंभ है तो महाप्रयाण जीवन का अनन्त निराकार में विलीन हो जाना. जीव, हाड़ मांस का पुतला, सामान्य समझ से माना जाता है. इस जगत में सनातन काल से हाड़-मांस के पुतले भांति भांति के रूप स्वरूप में श्वास प्रश्वास की तरह आते-जाते रहते हैं. जगत, जीवन के साकार से निराकार स्वरूप में बदलने का एक अंतहीन सिलसिला हैं. साकार स्वरूप अंतत: निराकार में विलीन हो जाता है पर निराकार तो हर कहीं व्याप्त है, शून्य और अनन्त में भी और सूक्ष्म और विराट स्वरूप में भी. जो रूप स्वरूप जन्म मृत्यु से परे है जैसे सत्य अपने आप में पूर्ण हैं, अपूर्ण कभी पूर्ण या असत्य कभी सत्य नहीं हो सकता. साकार गांधी की सबसे बड़ी सिखावन जगत को यह रही कि 'सत्य ही ईश्वर है'. ईश्वर के साथ साकार मनुष्य के मन में आस्तिक-नास्तिक का सवाल या मत-मतान्तर उठें पर सत्य की सनातनता को लेकर कोई द्वंद्व या आस्था - अनास्था का सवाल ही नहीं बना. गांधी ने जीवन को सत्य की जीवन शाला बना दिया 'सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा'. सत्य एक दम सरल सहज और स्वाभाविक रूप से सादगीपूर्ण है. सत्य में न तो प्रदूषण है न ही असहिष्णुता, अभद्रता या बनावटी पन है सत्य में दुराव छिपाव या स्मरण विस्मरण का कोई सवाल ही नहीं है. गांधी की कहानी का कुल जमा निचोड़ यह निकला कि एक सामान्य हाड़-मांस का मनुष्य कैसे अपने जीवन में लगातार अपनी कमियों को निरन्तर खुद ब खुद अपनी जीवन की समीक्षा से स्वयं ही त्यागते हुए जीवन को एक सत्याग्रह में बदल सकता है. दक्षिण अफ्रीका में बैरिस्टर गांधी को पहली श्रेणी का वैध टिकट होने पर भी काला आदमी पहली श्रेणी के रेल के डब्बे में चढ़ और यात्रा नहीं कर सकता भले ही वह बैरिस्टर क्यों न हो! सत्यनिष्ठ बैरिस्टर गांधी के मन के किसी कोने में सत्य की समझ नहीं होती तो गांधी जैसा हाड़-मांस का पुतला निराकार सत्य को साकार सत्याग्रह में नहीं बदल पाता. महात्मा गांधी जैसे सरलतम रास्ता खोजने वाले मनुष्य का 'सत्य ही ईश्वर है' के विचार सूत्र ने दुनिया के प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन में ईश्वर को खोजने की मशक्कत जीवन भर करते रहने के बजाय सत्य की समझ का सहज सूत्र बताया. सत्य को जीवन भर

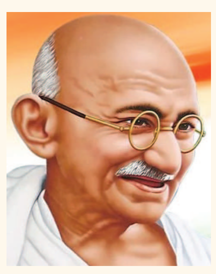

अपने जीवन में हर समय अपने दैनिक जीवन की श्वास - प्रश्वास की तरह ही मानते हुए जीवन को ही जीवन्त सत्याग्रह की तरह अनोखी जीवन शैली में बदल दिया. सत्य को आत्मसात कर जीना सिखाया।सत्य और सत्याग्रह की सरलता को अपनाने का सादगीपूर्ण अहिंसक समाधान निकाला. सत्य और अहिंसा एक दूसरे में रचे-बसे है. सत्य और अहिंसा स्वावलंबी और प्राकृतिक स्वरूप में हर किसी के लिए सहज सरल है. सत्य और अहिंसा दोनों को अपनाने के लिए किसी संगठन, संस्था और सहयोगी साथी की भी जरूरत ही नहीं है. निर्भय होकर स्वावलंबी जीवन सत्यनिष्ठ और अहिंसक तरीके से जीना ही जीवन का प्राकृतिक स्वरूप है.

गांधी ने जरूरत और लोभ लालच के भेद को समझाया. सादगी पूर्ण आवश्यक पोषण-भोजन, रहन सहन और सहजता सरलता से अपने गांव बसाहट में स्थानीय लोगों और साधनों की व्यक्तिगत और सामूहिक शक्ति से जीने के प्राकृतिक और विकेन्द्रीकृत तरीके को ही रामराज्य की संज्ञा दी. गांधी ने व्यक्ति के अंदर बाहर समाहित राम को समझा और आजादी आन्दोलन में प्रार्थना सभा के माध्यम से व्यक्ति और समाज के मन में समाये रामतत्व की प्राण-प्रतिष्ठा करके आजादी की अहिंसात्मक अवधारणा को भारतीय मानस में आजादी की आधारभूमि तैयार करने का लोकाधारित सिलसिला खड़ा किया. जीवन की जरूरत और लोभ लालच को समझाते हुए महात्मा गांधी ने कहा हमारी धरती मां में प्राणीमात्र की जरूरत पूरी करने की क्षमता है पर किसी एक के भी लोभ लालच को पूरा करने की नहीं. भोजन को लेकर गांधी ने सहज सूत्र समझाया, भूख लगने पर खाना प्रकृति है और बिना भूख के खाना विकृति है. गांधी ने जीवन के सार के रूप में ही सत्य और अहिंसा को जाना समझा. साध्य और साधन की शुद्धता और मन की स्वच्छता की आजीवन साधना. गांधी अपने जीवन में न तो प्रशंसा से फूले और न हीं आलोचना या गाली पर ध्यान दिया. गांधी का मानना था कि किसीने आपको गाली दी और आपने गाली का प्रत्युत्तर दिया तो गाली देने वाले को सफलता मिली पर यदि आपने गाली पर ध्यान ही नहीं दिया तो गाली देने वाले की गाली निष्फल हो गई. यही व्यवहारिक एकाग्रता और ध्यान है. शुक्रवार तीस जनवरी 1948 की शाम प्रार्थना सभा में शामिल होने से साकार गांधी के शरीर को प्रणाम करने का स्वांग रचते हुए गोली मारनेवाले को भले ही रोका न जा सका हो पर 'हे राम' शब्द का अंतिम उच्चारण कर महाप्रयाण पर जानेवाले निराकार गांधी के सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह और अभय को लोकसमाज के मन से कोई भी व्यक्ति, समूह, संगठन और सभ्यता गोली और गाली के बल पर रोक या समाप्त नहीं कर सकती. यही सनातन सत्य है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12156

- डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं
1. बड़ाई गुण कथन, वर्णन 3. मधुर, स्वादिष्ट 5. पहर, तीन घंटे का समय 6. मित्र, प्रेमी, हिमायती (उर्दू) 7. मरहम लगा हुआ कपड़े या रुई का टुकड़ा 8. चराई की भूमि 10. जादू जानने या करने वाला 12. साथ में यात्रा करने वाला (उर्दू) 15. एक तरह का विषैला कीड़ा, रंग के विचार से घोड़े का एक भेद 16. ब्रम्हा के चौदह पुत्र जो मनुष्यों के मूल पुरुष माने जाते हैं 17. शोरगुल, हल्ला 18. काले रंग की एक धातु जिससे हथियार तथा यंत्र आदि बनाए जाते हैं 19. लाल, रंगा हुआ 20. विवाह के समय वर सहित कुछ लोगों का कन्या पक्ष के यहां जाना 22. मुसलमानों के शासन काल में किसी देश का प्रबंध कर्ता, किसी न्यायालय संबंधी किसी कार्यालय का प्रबंधकर्ता 23. अपरिचित, नासमझ

ऊपर से नीचे
1. शीतल मंद वायु, हवा 2. व्यर्थ (उर्दू) 3. नवाब सिराजुद्दौला की फौज का सिपहसालार जो अपनी गद्दारी के लिए जाना जाता है 4. हवा, पवन 7. फाल्गुन मास का आनंदोत्सव, उस उत्सव में गाया जाने वाला गीत 9. कृतघ्न (उर्दू) 11. बहुत अंतर पर, फासले पर 13. सीधापन, सादगी, निष्कपटता 14. नाखूनों से नोचना 16. बहुत बड़ा राजा 18. एक प्रकार का सुगंधित गोंद जो जलने तथा दवा के काम आता है 21. शरीर, देह

Solution 12155

नि	त्या	नं	द	■	भा	व	ज
द्रा	■	दी	वा	ना	■	■	ग
■	चि	■	■	■	अ	ध	म
पु	त्र	व	ती	■	नि	■	गा
रं	क	■	ज	टि	ल	■	ह
द	ला	ल	■	■	■	की	ट
र	■	क	छा	र	■	क	■
■	गा	ड़ी	वा	न	■	र	द्द

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक कार्यों में ख्याति मिलेगी, नई योजनाओं में परामर्श होगा, वर्ष के मध्य में भूमि भवन आदि के मामलों में सफलता मिलेगी, वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक क्षेत्र में विवाद होगा, व्यापार व्यवसाय में भागदौड़ करना होगी, निकट संबंधी के कारण मानसिक तनाव रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के व्यापार में भागदौड़ रहेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक क्षेत्र में विवाद होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को निकट संबंधी के कारण मानसिक तनाव मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को व्यापार में भागदौड़ रहेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आपसी तनाव रह सकता है, सिंह राशि के व्यक्तियों को भूमि भवन संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को कम मेहनत में अच्छी सफलता के योग है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चतुर, भाग्यवान, तथा परिश्रमी रहेगा, जिस कार्य को ठान लेगा, उसे पूरा करके ही छोड़ेगा, शिक्षा अच्छी होगी, व्यापार और नौकरी दोनों में अच्छी तरक्की करेगा, धार्मिक कार्यों में झुकाव रहेगा.

मेष-मतभेद दूर होने से रिश्ते मजबूत होंगे, रूखे व्यवहार से मित्र वर्ग नाराज होगा, पुराना कार्य बनेगा, अचानक धन लाभ होने का योग है.

वृषभ- डूबा धन मिलने के आसार है, अपनों के व्यवहार से खिन्नता होगी, व्यवसाय से लाभ होगा, मित्रों से मतभेद हो सकता है. सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी.

मिथुन- सामाजिक कार्यो से जुड़े लोगों से अच्छा लाभ होगा, सुख सुविधा के सामान पर खर्च संभव है, भूमि भवन मकान आदि के कार्यो में समस्या का समाधान होगा.

कर्क- कार्य के संबंध में अनुकूल आश्वासन मिलेंगे, लापरवाही से काम पूरे नहीं होंगे, दिदनचर्या नियमित रहेगी, परिश्रम अधिक करना होगा.

सिंह- दुविधा की स्थिति में फैसला लेना मुश्किल होगा, गुमी वस्तु मिलने का योग है, पारिवारिक दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी, परिश्रम अधिक करना होगा.

कन्या- अपने लोग ही उलझाने का प्रयास कर सकते हैं, मांगलिक कार्य पर विचार होगा, मान सम्मान में वृद्धि होगी, व्यक्ति विशेष की सलाह लेना हितकर रहेगा.

तुला- सामूहिक कार्य में सभी की सलाह लाभदायक रहेगी, बुजुर्गो के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, सामाजिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी.

वृश्चिक- बातों बातों में नई शुरूआत हो सकती है, जरूरतें पूरी करने उधारी संभव है, पुराने पेंडिंग पड़े कार्य बनेंगे, योजनाओं का विस्तार होगा.

धनु- राजकीय मामलों में लापरवाही से नुकसान होगा, शादी विवाह की चर्चा में सफलता मिलेगी, अधूरे कार्यों में गति आयेगी, शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी.

मकर- धार्मिक आयोजन में खर्च होगा, न चाहते हुये भी लोगों की आलोचना झेलना पड़ सकती है, सोचे कार्य बिलंब से होंगे, विवादों का समाधान होगा.

कुम्भ- कानूनी पक्ष मजबूत होगा, करीबी लोगों के व्यवहार से दुख होगा, मानसिक अस्थिरता रहेगी, नियमित कार्यो में व्यवधान आ सकता है.

मीन- सुविधा की कमी से कार्य में मुश्किल आयेगी, अनुभव का लाभ मिलेगा, नौकरी तथा राजकीय कार्यों में अच्छा समाचार मिलेगा, रोगी की चिन्ता रह सकती है.

उदयकालीन ग्रह चाल

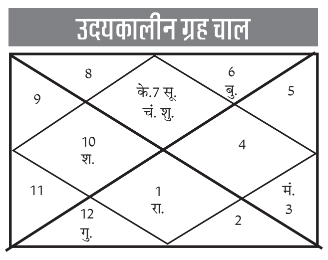

पंचांग

रा.मि. 10 संवत् 2082 माघ शुक्ल द्वादशी भृगुवासरे दिन 9/21, आर्द्रा नक्षत्रे रात 2/28, वैधृति योगे शाम 4/5, बालव करणे सू.उ. 6/35, सू.अ. 5/25, चन्द्रचार मिथुन, पर्व- प्रदोष व्रत, भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, शु.रा. 3,5,6,9,10,1 अ.रा. 4,7,8, 11,12,2 शुभांक- 5,7,1.

व्यापार भविष्य

माघ शुक्ल द्वादशी को आर्द्रा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड चीनी, में पूर्व की चाल रहेगी, जीरा, धनियां, हल्दी में मंदी होगी, सोना, चांदी, में उतार चढ़ाव रहेगा, वायदा विचार आज जिस कार्य में वस्तु के भाव टूटें उसी में अगले दिन तेजी होगी. भाग्यांक 2607 है.

SUDOKU 7288

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7287

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2